जयपुर - परिचय

Duration : 02.44 Transcribed words : 410

- संगीत -

00.11 कमलेश पारीक - जयपुर शहर सवाई जय सिंह जी ने बसाया था... पहले जयपुर नहीं था, पहले आमेर राजधानी थी राजपूताना की... उसके बाद जो उन्होंने जयपुर शहर बसाया... जयपुर, आमेर की जितनी भी अच्छे अच्छे सेठ, साहूकार, उन लोगों को उन्होंने कहा कि चलो आओ, अपन एक नया शहर बसाते हैं...

00.34 ऋषि नारायण पारीक - जयपुर को पिंक सिटी ऑफ राजस्थान या पिंक सिटी ऑफ इण्डिया कहते हैं... और वो कारण यह है कि यहाँ के आपने देखा होगा कि सारे शहर, सारे रास्ते, अंदर की जितनी भी सिटी वगैरह हैं, सब गुलाबी रंग से रंगी हुई हैं...

00.52 जयदेव तोतलानी : वैल, जयपुर का जो हेरिटेज कल्चर है यहाँ की जो हिस्ट्री है, वो बहुत ही शानदार है... यहाँ के पैलेसिज, यहाँ के फोर्टस, यहाँ के रोड, बहुत ही प्लान्ड सिटी है... मेरे खयाल से इण्डिया का सबसे पहला, राजा महाराजाओं के टाइम पे प्लान किया हुआ सिटी है और फिर बनाया गया था, फिर डवलप किया गया था... तो ये बहुत खूबसूरती है...

01.16 तृप्ति पांडे - जयपुर में बहुत कुछ है... जयपुर में सबसे बडी बात है कि इस शहर में संगीत, कला और संस्कृति, वो इसकी नस नस में बसती है... यदि जयपुर एक व्यक्ति होता, सजीव होता, तो आप सोचिये कि कितना बडा कलाकार होता...

01.34 ज्योति परनामी - जयपुर में यहां का जो सौन्दर्य है, वो अपने आप में बहुत, बहुत खूबसूरत है... हर चीज जयपुर की अप्रोचेबल है, हर जगह से... ये मैट्रो सिटीज की तरह नहीं है कि बीस बीस, मतलब दो दो, तीन तीन घंटा हमको किसी एक जगह से जाकर के वहाँ पहुँचने में लगे... हर चीज एकदम पास में, आराम से मिल जाती है... प्लस यहाँ के लोग बहुत ही ज्यादा व्यावहारिक हैं, ऐसा हम कह सकते हैं... एक दूसरे के साथ काफी फ्रेंडली रहते हैं... अच्छे से जीना चाहते हैं... यहाँ एक बहुत अच्छा कल्चर है ज्वाऐंट फैमली का कल्चर... उस कल्चर के साथ लोग अभी तक बहुत अच्छे से निभा पा रहे हैं... उस वजह से अच्छा सामंजस्य है सब लोगों में आपस में... और ऐसा देखें तो पुराने किले, यहाँ की पुरानी, हमारा ट्रेडिशनल काम, गोटा पत्ती का... और कुछ अच्छी ट्रेडिशनल मिठाईयाँ... ये सब चीजें, खाना पीना, हर चीज यहाँ की बहुत परफेक्ट है कि एक शहर से अपने आप प्यार हो जाये, जयपुर जैसे शहर से... यहाँ जितने भी लोग आते हैं, सबको ऐसा लगता है कि यहाँ आकर रहने लग जायें...